



धर्मप्रांतीय उपासना व संगीत आयोग, वसई

ऑक्टोबर २०२१

| वार / दिनांक | प्रवेश गीत | स्तोत्र गीत | जयघोष | अर्पण गीत | कम्युनियन गीत | अंतिम गीत |
|---------------------------------------|--|-------------|-------|---------------------|--|--------------------------------------|
| शुक्रवार ०१ ऑक्टोबर | बाल येशूची संत तेरेजा - परम इशाला घेणे | | | | | |
| | आनंदाच्या ह्या १० | | | तूच जगाला देशी ७७ | जेथे प्रेम, दया, शांती ११४ | संत तेरेजा ४२३ |
| शनिवार ०२ ऑक्टोबर रक्षक दुताचा सण | प्रभुचा हा दिस ०५ | | | चंद्र सूर्य तारे ७२ | देवा तुझ्या दयेची १४६ स्तव तुझ्या ४६२ | गाते पहा ४७५ देवाची सत्प्रीती १७० |
| रविवार ०३ ऑक्टोबर सा.का. २७ वा रवि | दिन सौख्याचा २० | | | जीवन माझे ९८ | तान्हेले आह्या १३७ | द्या शुभवार्ता १७४ चरण २ |
| सोमवार ०४ ऑक्टोबर | परमेशाला एकमनाने ११ | | | तुझ्या वेदीवर ७८ | ये मम येशू स्वीकारिले मी १३४ | तुला नमन मरिया ३८६ |
| मंगळवार ०५ ऑक्टोबर | वात्सल्याने १९ | | | प्रभू मी कोणा ८६ | वसना तू १४५ | काळजा येशूच्या ३२० |
| बुधवार ०६ ऑक्टोबर | चला जाऊ १७ | | | अर्पणाची प्रार्थना | सुमने होऊनी १५१ | जा ग्विस्ताच्या १६५ चरण २ |

| वार / दिनांक | प्रवेश गीत | स्तोत्र गीत | जयघोष | अर्पण गीत | कथुनियन गीत | अंतिम गीत |
|---|--------------------------|-------------|-------|----------------------|------------------------------------|---|
| गुरुवार ०७ ऑक्टोबर रोङ्गरी माऊलीचा सण | मला गाऊ दे ०२ | | | अर्पणाची प्रार्थना | करशिल जे गरिवांसाठी ११६ | कृपासनावरी या ३९० चरण १ व ३ |
| शुक्रवार ०८ ऑक्टोबर | या शुभदिनी १३ | | | गाऊ तुझे गुणगान ७९ | ये प्रभू ये १३५ | तुज सोडुनि ख्रिस्ता १७२ |
| शनिवार ०९ ऑक्टोबर | वसुंधरे गा ०१ | | | अर्पितो मी ८८ | किती वाटते ओढ १४७ | ख्रिस्त राज्याची १७५ चरण २ |
| रविवार १० ऑक्टोबर सा.का. २८ वा रवि. | भाव भक्तीची १४ | | | प्रेमे आणिली ९५ | मन मंदिरी प्रभू १४१ | देवाची सत्यीती १७० चरण |
| सोमवार ११ ऑक्टोबर | परमेशाला एकमनाने ११ | | | आलो तुझीया दारी ९६ | प्रभू तव नाम १५६ | नमो ए मेरी माँ प्रणाम प्रणाम ३६५ |
| मंगळवार १२ ऑक्टोबर | नवे गीत गा ०३ | | | अपात्र मी प्रभू ७४ | ख्रिस्ताच्या आत्या ३२१ | श्री येशू ३०७ |
| बुधवार १३ ऑक्टोबर | मला गाऊ दे ०२ | | | अर्पणाची प्रार्थना | मुक्ती देई १३६ | विश्वास ठेवून तुज सोडुनि १७२ |
| गुरुवार १४ ऑक्टोबर | प्रसन्नतेने प्रभूला १५ | | | तूच दिलेले ८० | तुझा म्हणू मी १२९ | संत तेरेजा ४२३ भाग्यवंत संत ४१४ चरण २ |
| शुक्रवार १५ ऑक्टोबर अविलाची संत तेरेजा | वात्सल्याने प्रभुच्या १९ | | | ख्रिस्तार्पणमस्तू ७१ | प्रभू ये सग्याया १४९ ये मम येशू | काळजा येशूच्या ३२० आई माऊली |

| वार / दिनांक | प्रवेश गीत | स्तोत्र गीत | जय धोष | अर्पण गीत | कथुनियन गीत | अंतिम गीत |
|--|---|-------------|--------|-----------------------|------------------------------|------------------------------------|
| शनिवार १६ ऑक्टोबर | जाईन मी ०८ | | | अर्पणाची प्रार्थना | तान्हेले आम्ही १३७ | मी तुज बाप १७१ |
| रविवार १७ ऑक्टोबर सा.का.२९ वा रवि. | प्रसन्नतेने प्रभूला १५ | | | गाऊ तुझे गुणगान ७९ | मुमने होऊनी १५१ | भाग्यवंत संत ४१४ घेऊनी हाती १६९ |
| सोमवार १८ ऑक्टोबर | संत लूक शुभवर्तमानकार - परम इशाला घेणे | | | | | |
| | हे भगवान ३०८ | | | तुज काय देऊ ७५ | प्रभू तव नाम १५६ | माते मरिया आलो ४०५ |
| मंगळवार १९ ऑक्टोबर | आनंदाच्या ह्या १० | | | अर्पण करितो प्रभू ९० | वसना तू १४५ किती लागला ३५ | जा ग्विस्ताच्या १६५ चरण २ |
| बुधवार २० ऑक्टोबर | वसुंधरे गा ०१ | | | अर्पणाची प्रार्थना | तुझीयासाठी जीवन ५ १६१ | तुज सोडुनि ग्विस्ता १७२ |
| गुरुवार २१ ऑक्टोबर | प्रभुचा हा दीस ०५ | | | तूच जगाला ७७ | जगतो जीवन १४८ | घेऊनी हाती ध्वज १६९ चरण २ |
| शुक्रवार २२ ऑक्टोबर | मला गाऊ दे ०२ | | | धूप ही माझ्या | सकल मनी ११० | देवाची सत्प्रीती १७० चरण ३ |
| शनिवार २३ ऑक्टोबर | हे माझ्या देवा ४८३ | | | अर्पणाची प्रार्थना | स्तव तुझा ४६२ | मी कुठेही कसाही १७९ |
| रविवार २४ ऑक्टोबर सा.का.३० वा रवि. मिशन रविवार | प्रभुचा हा दिस ०५ | | | काय तुला वाहू ६९ | प्रभू तव महिमा ३१८ | द्या शुभवार्ता १७४ |

| वार / दिनांक | प्रवेश गीत | स्तोत्र गीत | जय धोष | अर्पण गीत | कथुनियन गीत | अंतिम गीत |
|--|---|-------------|--------|-----------------------------------|-------------------------------------|--|
| सोमवार २५ ऑक्टोबर | ग्रिस्त नाम घ्या ३११ | | | सुवंदित हो नाम ९२ | किती लागला लळा ३५ | आंजेलुस घाट ३८७ गाऊ तुझे गुणगान माते |
| मंगळवार २६ ऑक्टोबर | वात्सल्याने प्रभुच्या १९ यही दिवस है | | | तुझेच प्रभुजी ९४ | ये प्रभू ये १३५ वसना तू १४५ | ग्रिस्त राज्याची १७५ कहता है दिल मेरा |
| बुधवार २७ ऑक्टोबर | मला गाऊ दे ०२ | | | अर्पण हे माझे प्रभुच्या वेदीवर | जेथे प्रेम दया शांती ११४ | घेऊनी हाती ध्वज १६९ |
| गुरुवार २८ ऑक्टोबर | प्रेषित संत सायमन व संत ज्यूड - परम इशाला घेणे | | | | | |
| | चला जाऊ या १७ | | | अर्पणाची प्रार्थना | सहर्ष स्वागत १३९ | कधी धरतीस १६८ |
| शुक्रवार २९ ऑक्टोबर | या शुभदिनी १३ | | | जीवन माझे ९८ | भाग्यवान जगि १२१ | येशू माझा देव |
| शनिवार ३० ऑक्टोबर | आलो आपण प्रभू ४६८ भाव भक्तीची १४ | | | प्रभू तुझाच मी ९३ | तान्हेले आम्ही १३७ विसरू नको २५१ | जा ग्रिस्ताच्या १६५ चरण २ |
| रविवार ३१ ऑक्टोबर सा.का. ३१ वा रवि. | चला जाऊ १७ | | | अर्पणाची प्रार्थना | सुमने होऊनी १५१ | जा ग्रिस्ताच्या १६५ चरण २ |